पद्य -भाग

वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री'

जन्म	-	1911 ई0 (जेठ पूर्णिमा)
जन्म स्थान	-	तरौनी, दरभंगा
कृति	-	मैथिली-चित्रा ओ पत्रहीन नग्न गाछ-(कविता संग्रह) पारो, नवतुरिया, बलचनमा-(उपन्यास) पृथ्वी ते पात्र-कथा। हिन्दी-युगधारा, सतरंग पंखोवाली, प्यासी पथराई आँखें, तुमने कहा था, हजार-हजार बाहों वाली रत्न गर्भा आदि कविता संग्रह। रतिनाथ की चाची, बलचनमा, नई पौध, बाबा बटेसरनाथ, कुम्भीपाक, दुखमोचन आदि उपन्यास। एकर अतिरिक्त हिन्दीमे कहानी संग्रह, खण्डकाव्य, अनुवाद पर प्रकाशित पुस्तक।
पुरस्कार	-	1968 ई0 मे 'पत्रहीन नग्न गाछ' मैथिली कविता संग्रह पर साहित्य अकादेमी दिल्लीसँ पुरस्कार, बिहार सरकार द्वारा 'शिखर सम्मान'।
निधन	-	5 नवम्बर, 1998 ई0।

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

युग-धर्म

नहि मानइ अछि बात ओहिना अपनो बेटा-नाति
मास मास पर गहन लगइ अछि पल पल पर संकराँति
बदलि रहल अछि छन छन दुनियाँ किछु नहि क्यो नहि थीर
भ गेलाह बाबा कपिलेश्वर आन्हर आर बहीर
सुनतहि नब नचारी बूढ़ाकँ उठैत छन्हि खौंत
भरि भरि ढाकी फाँकि जाई छथि भाङक भनहि सुखौंत
शहर शहरमे फुजल-सिनेमा, क्यो नहि सुनए पुरान
ककरो नहि चिंता छइ जे खोँझा उठता भगवान
कोना छजत पहिलुक छाटीपर आजुक टटका रङ
अपन महिंस कूदहड़िअहि नाथब, के ने कहत अबढंग
खुटिआ मिर्जइ नहि सोहाइ छइ पहिरए कोट-कमीज
बूढ़ि ने कहिअउ, कन्हुआकँ ताकत बेटा-भातीज
कोना बुझब जे पूर्वजलोकनि रहथि बेश बुधिआर
पढुआ कका करब जँ, नहि हमरासँ बात-विचार।

शब्दार्थ

मास-मास-प्रत्येक मास

थीर-स्थिर

खौंत-गर्मीसँ मोन व्याकुल हैब

सुखौंत-सुखायल बस्तु

अबढंग-बिना ढंग कँ

गहन-ग्रहण (चन्द्रग्रहण, सूर्य ग्रहण)

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

प्रश्न ओ अभ्यास

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

निम्नलिखितमे सँ सही विकल्पक चयन करू :-

(i) कवि मास-मास पर कथी लगबाक बात कहलनि अछि?

(क) गहन (ख) संकराति (ग) पूर्णिमा (घ) मेला

(ii) कवि एहि काव्यमे बूढ़ा शब्दक प्रयोग ककरा निमित्त कयलनि अछि?

(क) ब्रह्मा (ख) विष्णु (ग) महेश (घ) इन्द्र

(iii) प्रस्तुत कवितामे कवि शहर-शहरमे कथी फुजबाक बात कहलनि अछि?

(क) सिनेमा (ख) दोकान (ग) कारखाना (घ) एहिमे सँ किछु नहि

(iv) कवि आजुक युगमे कथी पहिरबाक बात कहलनि अछि?

(क) कोट-कमीज (ख) धोती-कुर्त्ता (ग) मिरजई (घ) वण्डी

2. लघूत्तरीय प्रश्न-

(i) आजुक बदलैत युगमे के थीर अछि?

(ii) आजुक युगमे की अपनो बेटा-नाति बात मानवा लेल तैयार अछि?

(iii)आजुक युगमे वेद-पुराण के सुनैत अछि? कविताक आधार पर लिखू।

3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न -

(i) 'कोना छवत पहिलुक ढाठीपर आजुक टटका रंगक की तात्पर्य?

(ii) कविताक आधार पर आजुक युग धर्मक चर्चा करू।

4. रिक्त स्थानक पूर्ति करू-

(i) भऽ गेलाह बाबा................आन्हर आर बहीर।

(ii) भरि-भरि ढाकी फाँकि जाइ छथि..........सुखौत।

(iii)शहर-शहरमे फुजल सिनेमा क्यो नहि सुनय...............।

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

5. निम्नलिखित काव्यांशक व्याख्या करू-

(i) खुटिया मिर्जइ नहि सोहाइ छै पहिरए कोट-कमीज

(ii) चूड़ि ने कहिअउ, कन्हुआकें ताकत बेटा-भातीज

व्याकरण-

प्रस्तुत कवितासँ संज्ञा शब्द चुनि कउ लिखू।

गतिविधि-

1. कवितामे वर्णित युगधर्मक सम्बन्धमे लिखू।

निर्देश-

1. शिक्षकसँ आग्रह जे छात्रसँ प्रगतिवादक विषयमे चर्चा करथि।

❑❑❑

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

आरसी प्रसाद सिंह

जन्म	–	19 अगस्त, 1911 ई0
जन्म स्थान	–	ग्राम–एरौत, जिला–समस्तीपुर
रचना	–	माटिक दीप, पूजाक फूल, सूर्यमुखी।
		मेघदूतक मैथिली अनुवाद।
पुरस्कार	–	हिनका 'सूर्यमुखी' काव्य संग्रह पर 1982मे मैथिली अकादेमी, पटनासँ, विद्यापति पुरस्कार तथा एही संग्रह पर 1984क साहित्य–अकादेमी, दिल्लीसँ, पुरस्कार प्राप्त भेलनि।
निधन	–	15 नवम्बर, 1996

□□□

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

सनातन मानव

अछि अनादि इतिहास हमर, भूगोल हमर लीलामय प्रांगण।
मन्दिर, मस्जिद आ गिरजाघर, हमर चेतना केर निकेतन।।
गौर, श्याम, पीताभ कतहु हम, कतहु घोर काजर सन कारी।
अनगिन भूषा-वेश हमर अछि, एक रूपमे नर आ नारी।।
हिन्दू कतहु, कतहु ईसाई, मुसलमान कहबैत कतहु छी।
भारतीय चीनी जापानी, परिचयमे जनबैत कतहु छी।।
मुदा, रक्त तँ वैह देहमे, एक हृदयमे प्राणस्पन्दन।
भाषा, धर्म अनेक पंथ-मत मुदा, एक दुख-सुख जग-जीवन।।
अमृत हेरि हम आनल भूपर, पाथरमे देवत्व उतारल।
वायुयान, विद्युत् अणु-ऊर्जा, अंतरिक्षमे झंडा गाड़ल।।
द्वीप-द्वीपकेँ सेतु-बंध सँ, जोड़ि देल हम सागर-चारी।
चन्द्रलोक धरि रोपि पयर हम, घूमि रहल छी गगन-विहारी।।
युद्ध, कलह, विद्वेष, घृणा, संहार, शोक, संताप पराजय।
दानवता ई सब दुर्गुण सँ, हमर विरोध करैए निर्दय।।
हम मानव छी, युग-युग सँ, आगाँ नित्य बढ़ैत रहै छी।
सत्य, अहिंसा, करुणा, मैत्री, प्रेमक पाठ पढ़ैत रहै छी।।

दार्थ

तन-परम्परागत,प्राचीन कालसँ चल अबैत क्रम
दि-जकर आदि नहि हो
ामय-लीलासँ ओत-प्रोत
ण-आँगन
ना-बुद्धि, मनोवृत्ति

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

निकेतन–घर

अनगिन–अनगिनत, असंख्य

रक्त–खून, सोनित

हेरि–ताकिकें

भूपर–पृथ्वी पर

देवत्व–देवताक भाव

अंतरिक्ष–आकाशक सुदूरतम भाग

द्वीप–भूमिक ओ भाग जे चारूकात पानिसँ घि..त होअए

सेतु–पुल

गगन–विहारी– आकाशमे विचरण करऽ वाला

कलह–झगड़ा

दानवता–राक्षसी प्रवृत्ति

दुर्गुण–खराब गुण

प्रश्न ओ अभ्यास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखितमे सँ सही विकल्पक चयन करू:-

(i) 'सनातन मानव' शीर्षक कविताक कवि छथि :-

(क) विद्यापति (ख) आरसी प्रसाद सिंह (ग\ वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री' (घ) तंत्रनाथ झा

(ii) हमरा देशक इतिहास अछि :-

(क) आधुनिक (ख) मध्यकालीन (ग) अनादि (घ) प्राचीन

(iii) एहि पृथ्वी पर हम ताकिकें अनलहुँ :-

(क) विष (ख) अमृत (ग) प्रेम (घ) विद्वेष

2. खाली स्थानक पूर्ति करू :-

(i) भूगोल हमर............।

(ii) ....पाथरमे देवत्व उतारल।

(iii) सत्य, अहिंसा, करुणा, मैत्री..........................।

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

3. सही गलतक चयन करू :-

(i) हमरा देशक धर्म अछि–अनेक/एक

(ii) हम पाथरमे ताकल–दानवता/देवत्व

(iii) हम झंडा गाड़लहुँ–समुद्रमे/अन्तरिक्षमे

4. लघूत्तरीय प्रश्न :-

(i) 'भूगोल हमर लीलामय प्रांगण' एहिमे भूगोलक की तात्पर्य अछि?

(ii) नर ओ नारी कोन-कोन रंगक होइत अछि?

(iii) धर्म ओ राष्ट्र भिन्न होइतो सभ मानवमे की लऽ कऽ समता छैक?

(iv) मानवताक के विरोधी अछि?

(v) मानवता कोन पाठ पढ़ैत रहैत अछि?

(vi) एहि कवितामे 'हम' सर्वनामक प्रयोग भेल अछि। ई हम ककरा लेल आएल अछि?

5. दीर्घोत्तरीय प्रश्न :-

(i) मानव जातिक हितक लेल मानव की सब कएलक अछि? विस्तारसँ वर्णन करू।

(ii) कवि मानवता-विरोधी दुर्गुण सभक उल्लेख कएने छथि। एहि दुर्गुण-सभक समाज पर की सभ कुप्रभाव पड़ि रहल अछि? वर्णन करू।

(iii) एहि कविताक भावार्थ अपना शब्दमे लिखू।

6. निम्नांकित पद्यांशक सप्रसंग व्याख्या लिखू :-

''अमृत हेरि हम आनल भूपर, पाथरमे देवत्व उतारल।''

7. निम्नांकित पंक्तिक भाव-विस्तार करू :-

(i) भूगोल हमर लीलामय प्रांगण।

(ii) अंतरिक्षमे झंडा गाड़ल।

8. निम्नांकित पाँतीक अर्थ बुझाउ :-

द्वीप-द्वीपकेँ सेतु-बाँध सँ, जोड़ि देल हमर सागर-चारी।

9. निम्नांकित शब्दक विपरितार्थक शब्द लिखू :-

गौर, नर, धर्म, अमृत, युद्ध, दानवता, अहिंसा

योग्यता विस्तार :-

1. विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारक सम्बन्धमे अपन शिक्षकसँ सहायता लऽ जानकारी बढ़ाउ।

2. विश्वबन्धुत्व विषय पर एक गोट भाषण-प्रतियोगिताक आयोजन करू आ ओहिमे बाजू।

3. एहि कविताकेँ कण्ठस्थ कऽ वर्गमे सस्वर पाठ करू।

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

बिलट पासवान 'विहंगम'

जन्म	–	4 जनवरी, 1941 ई0
जन्म स्थान	–	एकहत्या, खुटौना, मधुबनी
कृति	–	भैरवी एवं रणभेरी (मैथिली काव्य-संग्रह), चयनिका (गीत-संग्रह), सलहेस पाठिका, वृत-व्यास (हिन्दी काव्य-संग्रह), सलहेसामण (महाकाव्य)-प्रकाशनाधीन, आगि भरल जिनगी-खण्ड काव्य।
उपाधि	–	राष्ट्रपति द्वारा 2005 मे 'पद्मश्री' उपाधिसँ अलंकृत।
पुरस्कार	–	राष्ट्रीय शिखर साहित्य सम्मान मिथिला विभूति सम्मान चेतना समिति पटना द्वारा 2003 ई0 मे देल गेल।

□□□

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

फूलक नोर खसल

धरतीक कोंढ़ करेज फटै छै
कोंपि रहल छै गात हे।
की ल' गिरहत अगहन ओंकत
धानक झड़कल पात हे।।
गाछक पेट भरल गम्हरासँ
दूध सुखल छै पोर हे।
कातिक मास नछत्र भागल
इन्द्रक निन्द कठोर हे।
राजनगर राजा फुलबाड़ी
धरती सुखल सपाट हे।
फूलक नोर खसल भुइयाँपर
फलकल-फलकल पात हे।।
'विलट' विधायक हाय विधाता,
कुहरय सकल किसान हे।
एखनो नजरि दियौ हे राजा
खोलियौ नहरि बलान हे।।

शब्दार्थ

गात- शरीर

ओंकत- अन्दाज करब

झड़कल- मुरझायल, झुलसल

गम्हरा- बिन फूटल धान

नछत्र- नक्षत्र

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

भुइयाँ- धरती

कुहरय- कराहब

बलान- नदीक नाम

प्रश्न ओ अभ्यास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखितमे सँ सही विकल्पक चयन करू :-

(i) बरखा नहि भेलासँ कोँढ़-करेज फटै छै :-

(क) आकाशक (ख) धरतीक (ग) किसानक (घ) धानक

(ii) एहि कविताक कवि छथि :-

(क) जीवकान्तजी (ख) मार्कण्डेय प्रवासी (ग) बिलट पासवान 'बिहंगम' (घ) अमरजी

(ii) सालमे कतेक नक्षत्र होइत अछि :-

(क) 24 (ख) 27 (ग) 30 (घ) 20

2. रिक्त स्थानकेँ पूरा करू :-

(i) धानक.............पात हे,

(ii) कातिक मास..................भागल,

(iii) ....निन्द कठोर हे,

(iv) खोलियौ............बलान हे,

3. निम्नलिखित शब्दमे सँ शुद्ध शब्दमे (✔) सहीक आ अशुद्ध शब्दमे (x) गलतक चेन्ह लगाउ :-

(क) फूल (ख) शकल (ग) सपाट (घ) गीरहत (ङ) गाछ

4. लघूत्तरीय प्रश्न :-

(i) गिरहतक स्थिति केहन छै?

(ii) कातिक मासमे की भागल अछि?

(iii) किनकर निन्द कठोर छनि?

(iv) किसान किए कुहरि रहल छथि?

(v) बलानक नहर खोललासँ एहि क्षेत्रक किसानकेँ की लाभ होएतैक?

5. दीर्घोत्तरीय प्रश्न :-

(i) किसान किएक कुहरैत अछि? वर्णन करू।

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

(ii) किसानक स्थिति सुधारबाक हेतु कवि की कहि रहल छथि? विस्तारसँ वर्णन करू।

(iii) भारतीय कृषि मौनसून पर निर्भर छैक, वर्णन करू आ एकर निदानक लेल सरकार की उपाय कउ सकैत अछि? सुझाव दिअ।

(iv) कवितामे आएल संज्ञा शब्दकेँ चुनिकेँ लिखू आ ओकर वाक्य बनाउ।

तिविधि :- शिक्षकक सहयतासँ धानक खेती करबा विधि ज्ञात करू।

दशा-निर्देश :- शिक्षकसँ आग्रह जे छात्रसँ धान आदि फसलक सम्बन्धमे चर्चा करथि।

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

मार्कण्डेय प्रवासी

जन्म	-	1 मई, 1942
जन्म स्थान	-	गहुआरा, समस्तीपुर
वृत्ति	-	पत्रकारिता, 'आर्यावर्त' क पूर्व सम्पादक, तदुपरान्त-स्वतंत्र लेखन।
कृति	-	मैथिली-अगस्त्यायनी(महाकाव्य), एतदर्थ (तदर्थ काव्य), अभियान, हम कालिदास(उपन्यास), हम भेटब (गीत-नवगीत)। मैथिलीमे-'झामलालक झामा' तथा हिन्दी मे 'चुटकुलानन्द की चिट्ठी' स्तम्भक माध्यमे व्यंग्य लेखन। हिन्दी-शंखध्वनि, कविता बोलती है, सूरज ने लिखा है (गीत-नवगीत) तथा कस्तूरी बाई (उपन्यास)।
सम्मान	-	अगस्त्यायनी महाकाव्य पर 1981 ई0 मे साहित्य अकादेमी पुरस्कार।
निधन	-	13 जून 2010 ई0

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

हम भेटब

जहिया-जहिया हृदय हीनता

खटकत मोनक बाट पर,

हम भेटब-

इतिहास-नदीकेर-

चिक्कन-चु्‍‌‌‍ नन घाट पर।

अछि कविता कोईलीक बहिनपा,

नहि बाजत कागक भाषा,

चीर हरण नहि कऽ सकैत अछि

साहित्यिक छूतक पासा

जहिया-जहिया

शील तथा आदर्श गीतमे नहि अभरत,

हम भेटब-

अपने सीमान पर-

बैसल टूटल खाटपर।

आइ भने किछु भाइ-बन्धु

सगरो बबूर बनि जनमल छथि,

भीतरसँ महकल छथि, तैयो-

बाहर-बाहर गमकल छथि

साँप जकाँ-

डँसि लेत जखन साँसे समाजकँ दुर्जनता,

विष उतरत-

हमरे चार पर।

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

अछि गीदड़कें हरिण कहै ले'

होइ मचल हम मौन छी

योनू भाव न जानथि, तेँ हम

गोनू रहितहुँ गौण छी

जहिया-जहिया मैथिलत्व-

हारल धकिआओल-सन लागत,

हम भेटब-

तिलकोर जकाँ-

चतरल साहित्यक टाट पर।

शब्दार्थ

काग-कौआ

द्यूत-जुआ

शील-चरित्र

दुर्जन-खराब लोक, दुष्ट लोक

प्रश्न ओ अभ्यास

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न :-

(i) हम भेटबक लेखक के छथि ?

(क) कमलाकान्त भंडारी (ख) उदयचन्द्र झा 'विनोद' (ग) मार्कण्डेय प्रवासी (घ) डॉ0 वीणाधर झा

(ii) के कागक भाषा नहि बाजत?

(iii) गीतमे जहिया-जहिया की नहि अमरत?

(iv) दुर्जन कथी जकाँ डँसि लेत?

2. लघूत्तरीय प्रश्न :-

(i) हम अपन सीमान पर कथीक कारण भेटब?

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

(ii) आइ किछु भाय-बन्धु केहन छथि?

(iii) हम तिलकोरे पर किएक भेटब?

3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न :-

(i) हम भेटब कविताक सारांश लिखू।

(ii) हम भेटब कविताक विशेषता लिखू।

(iii) अछि कविता कोइलीक वहिनिपा, नहि बाजत कागक भाषा,

चीर हरण नहि कऽ सकैत अछि, साहित्यक द्यूतक पासा।

उपर्युक्त पद्यांशक भावार्थ लिखू?

4. मिलान करू

(i)	हम भेटब	(क) मन्त्र
(ii)	काग	(ख) बन्धु
(iii)	भाइ	(ग) कौआ
(iv)	आखर	(घ) मार्कण्डेय प्रवासी
(v)	मोनू	(ङ) गोनू

□□□

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

उदयचन्द्र झा 'विनोद'

जन्म	–	5 अप्रैल, 1943
जन्म स्थान	–	ग्राम+पोस्ट-रहिका, जिला-मधुबनी
वृत्ति	–	लेखा विभाग, भारत सरकारक सेवामे अंकेक्षक
कृति	–	संक्रान्ति (1991), धूरी (1992), मौसम अयला पर (1978), एहना स्थिति मे (1982), सहर जमीन (1999), अकहलनि पत्नी (1985), पक्ष (2007), प्रश्नवाचक (2010)-(कविता संग्रह) काँच-(1984)-(कथा संग्रह) उदास गाछक वसन्त (नाटक)
सम्मान	–	यात्री चेतना पुरस्कार-2005 ई0, साहित्य अकादेमी पुरस्कार 'अपक्ष' कविता संग्रह-2011 ई0।

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

गाम आ शहर

लोक एखनो गाममे मिज्झर रहै-ए
राजधानी जकाँ नहि असगर रहै-ए

ईद एखनो हिन्दुओ के पर्व होइ छै
गाममे मिलनक बहुत अवसर रहै-ए

गामसँ बहुतो पड़ायल सभ तेयागल
लोक तैयो चौक पर कहकह करै-ए

बाप केर लगाओल बागक गाछ काटय
गाममे एखनो बहुत अजगर रहै-ए

सुगरकोना बेश बरिसल बाढ़ि आयल
गाम एखनो साल भरि अबलब रहै-ए

चैनसँ एखनो गरीबी गाम मे छै
शहर सनकल अनेरे लबलब करै-ए

साग पर सन्तोष के दर्शन हेरायल
ग्राम्य जीवन तदपि बड़ निर्भर रहै-ए

शहरसँ आयलि सुकन्या भिन्न होइ छथि
ग्राम्यबाला के कहाँ परतर करै-ए

माथ पर आँचर एखनियो गाममे छै
'न्यूड' होयबा लए शहर तड़बड़ करै-ए

गाममे सम्बन्ध बाँचल छै एखन धरि
राजधानी लग भने गड़बड़ लगैए

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

जीबि लेतै गाम एखनो स्वावलम्बी
शहर के फरमान नइ गड़बड़ करैए
पाग-दोपट्टा, फूल-चानन गीत-अरिपन
गनगनाइत गाम के गहवर रहैए

केओ न ककरो शहर मे छै, गाम मे छै
ग्राम्य-जीवन तैं बहुत सेसर लगैए
केओ न ककरो दै शहरमे, गाम दै छै
शहरमे सभ लोकतें तेसर लगैए
गाम छै तैं देश छै कविता/कहानी
शहर तऽ मस्तूल पर उर्बर लगैए
लोक गामक ग्राम-गौरवमे जिबै छै
शहर मे तऽ सभ अपना पर रहैए
गड़बड़ी छै आब गामोमे, गलै छी
शहरमे तऽ सभ्यता बर्बर लगैए
सीबि आबी लगाबै छी नित्य चेफरी
व्यवस्था देशक बहुत जर्जर लगैए
देश चाही तैं बचाबी गाम के बन्धु
शहर धिक वाचाल तैं बरबर करैए
शुद्ध जल, शीतल हवा ओ बोल मधुरिम
सुलभ गामहि गाय के गोबर रहैए।

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

शब्दार्थ

मिज्झर-मिलल-जुलल

ईद- मुसलमानक एकटा पावनि

तेयागल-त्यागल

सुकन्या-सुनरि कन्या

ग्राम्यबाला- ग्रामीण बाला

एखनियो-एखनहुँ

संसर-श्रेष्ठ

मसतूल- माथ पर

बर्वर-जंगली

जर्जर- पुरान

प्रश्न ओ अभ्यास

1. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न**

(i) एखनहुँ लोक कतय मिज्झर रहैत अछि?

(क) गाममे (ख) शहरमे (ग) वनमे (घ) बागमे

(ii) लोक कतय कह कह करैए?

(क) शहमे (ख) चौक पर (ग) गाममे (घ) घर पर

(iii) एखनो के गाममे चैनसँ अछि?

(क) अमीर (ख) फकीर (ग) गरीब (घ) धनीक

(iv) न्यूड होयबा लए शहर की करै-ए?

(क) धड़फड़ (ख) तरफड़ (ग) लड़बड़ (घ) तड़तड़

2. **रिक्त स्थानक पूर्ति करू।**

(क) माथ पर..................एखनियो गाम मे छै।

(ख) जीबि लेतै गाम एखनो.........................।

(ग) केओ न ककरो.....................छै।

(घ) देश चाही तँ.............गामके बन्धु।

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

3. सही क आगाँ (✓) आ गलतीक आगाँ (X) चेन्ह लगाउ।

(i) एखन धरि गाममे सम्बन्ध बाँचल छै।

(ii) एखनहुँ गाममे साग पर संतोषक दर्शन जीवैत अछि।

(iii) गाममे ककरो केंओ खगताक वस्तु दैत छै।

(iv) गाममे गड़बड़ी नहि छै।

4. सही मिलान करू-

(क) शहर सँ	(i) बचाबी गामकेँ
(ख) मिलनक	(ii) नित्य चेफरी
(ग) देश चाही तँ	(iii) अवसर
(घ) लगावै छी	(iv) सुकन्या

5. लघूत्तरीय प्रश्न-

(i) गामक गहवर कथीसँ गनगनाइत रहैत अछि?

(ii) गाम आ शहरक मध्य कोनो एक टा अन्तर लिखू?

(iii) कोन कोनक बारिसला सँ बाढ़ि आयल?

(iv) राजधानीक लगक गाम केहन लगैत अछि?

6. दीर्घोत्तरीय प्रश्न-

(i) पठित पाठक आधार पर गामक विशेषताक वर्णन करू।

(ii) पठित पाठक आधार पर सिद्ध करू जे शहरमे बेश गड़बड़ी अछि।

(ii) शहरमे सम्बन्धक धज्जी उड़ि गेल अछि।

(iv) 'गाम आ शहर' कवितामे अजगर ककरा कहल गेल अछि आ किएक?

▭▭▭

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

अकाल

(नेपाली कविता)

रचनाकारक परिचय

नाम	-	मेनका मल्लिक (अनुवादिका)
जन्म	-	18.06.1966 ई0
वृत्ति	-	गृहकार्य अतिरिक्त, कविता लेखन, अनुवाद आ सम्पादन। पाक्षिक-'दच्छिन मिथिला' एवं त्रैमासिक-औरतक सम्पादन।
मूल रचनाकार	-	रेमिका थापा
जन्म	-	28.10.1971
शिक्षा	-	एम.ए. पी-एच-डी
कृति	-	वेदना को पाछिल्तिर, गर्डैमा कविता, देश र अन्य कविता हरू आ किनारा का आवाज हरू।
वृत्ति	-	शिक्षण (परिमल मित्र स्मृति महाविद्यालय, मालबाजार, जलपाईगुड़ी)

□□□

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

अकाल

महिला सभ पानि भरऽ जाइछ
कतोक कोस दूर
इनारसँ पानि भरऽ जाइछ।
इजोत होयबाक पैह होइतहिं
अहलभोरे
पानि भरऽ जाइछ महिला सभ।

आँगन बहारि कऽ राखऽ पड़ैछ
ककरो अबैआ नहि छै, तैयो
सुखायल, कैल पात सभ खसल छै
आँगन भरि
खर-खर करैत कोना चलत
कोना टेकत पयर?

फट्टक भिड़ा कऽ राखऽ पड़ैत
ककरो बेराम पति सूतल छै भीतर
ककरो शराबी पति सूतल छै भीतर।

कतेक चलऽ पड़ैत छै
तरबाक खिआयल रेखा सभसँ
कतेक निर्दयतापूर्वक

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

जमीन पर पयर टेकि
चलऽ पड़ैत छै लगातार
पनिभरनि समक जमातकें।

सूखि कऽ हड्डनठ भऽ गेलै नीमक गाछ
अकत सीव काल उखड़ि
भीतरक सनीपासु समेत सुखा गेल छै
उदास बच्चा देलकै आँगनकें
कोना झाँपी?
अकाल छै
अकालकें कोना झाँपत?
माथ झँपने पयर उघार, पयर झँपने माथ
चदरिकें कहुना तानि-तुनि मुँह झाँपय
अकालग्रस्त जिनगीक पहिल परिच्छेदकें
झाँपय।
तोहर नाँगट देहसँ उड़ि जयतह कतहु
आकांक्षाक चिड़ै।

अकालमे
दूर-दूर धरि पसरल छै
भूखक गन्ह
स्त्रीगण द्वारा छोड़ल

श्वास-प्रश्वास

स्त्रीगणक तरबाक जरि गेल चक्रक

मद्धिम गन्ह छै हबामे।

दूर-दूर धरि नहि छै आर कोनो गन्ह

अकास खसा देलक अछि.

रेति-रेति कऽ कटि

अपन सुखायल फेफड़ा

शून्यक विराट सिम्फॉनी छोड़ि

मौन होइए

अपने आँखिक नोनगर दहसँ

भरि आनी एक चैल पानि।

पानिक प्रतीक्षामे अछि

पिसायल बड़ेरी आ ओरिआनी

निपह-पोतह

क्षयग्रस्त पतिक कय-दस्तकें

धोअह-पखारह

एड्सग्रस्त पतिक ऐंठनकें

झाँपह....झाँपि कऽ राखह

अकाल छै।

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

शब्दार्थ

फट्टक भिड़ायब-फट्टक लगायब

बेराम-अस्वस्थ, बीमार

गन्ह-गन्ध

बड़ेरी- घरक देबाल पर मध्यमे एक देबालसँ दोसर देबाल धरि लकड़ी अथवा बाँस खण्ड जाहि पर सम्पूर्ण घरक दुनु चारक भार रहैत छै, बड़ेरी

ओरिआनी-देहरी आ आँगनक मिलन स्थल

क्षयग्रस्त- क्षय रोगसँ पीड़ित

ऐंठन-भोजनोपरांत बचल खाद्य पदार्थ

प्रश्न ओ अभ्यास

1. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न**

(i) की सुखाकऽ ठहुनठ भऽ गेलै?

(क) नीमक गाछ (ख) आमक गाछ (ग) महुआक गाछ (घ) जामुनक गाछ

(ii) कतक रानीमासु सुख गेल छै?

(क) बाहरक (ख) भीतरक (ग) खेतक (घ) देहक

(iii) ककरा उदास बना देलकै?

(क) घरकेँ (ख) द्वारिकेँ (ग) आँगनकेँ (घ) ओलतीकेँ

(iv) तोहर नाँगट देहसँ कथीक चिड़ै उड़ि जयतह?

(क) आशाक (ख) इच्छाक (ग) मोनक (घ) आकांक्षाक

(v) कथीक गन्ह दूर-दूर धरि पसरल छै?

(क) भूखक (ख) पियासक (ग) उल्लासक (घ) उत्साहक

2. **लघूत्तरीय प्रश्न**

(i) महिलासभ की भरऽ जाइछ?

(ii) महिलासभ कथीसँ पानि भरऽ जाइछ?

(iii) महिलासभ कखन पानिभरऽ जाइछ?

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

(iv) केहन सुखायल पात खसल छै?

(v) जमीनपर पयर टेकि ककरा लगातार चलऽ पड़ैत छै?

3. रिक्त स्थानक पूर्ति करू-

(i) स्त्रीगणक............................जरि गेल चक्र।

(ii) ....खसा देल अछि।

(iii) अपन.......................फेफड़ा।

(iv) शून्यक विराट..............छोड़ि।

(v) पिसायल..........................आ ओरियानी।

4. स्तम्भ 'क' क शब्दक मिलान स्तम्भ 'ख' क उचित शब्दसँ करू-

'क'		'ख'	
(i)	इजोत होयबाक	(क)	कय दस्तकँ
(ii)	आँगन	(ख)	तरबाक खिआयल रेखा सभसँ
(iii)	ककरो बेराम	(ग)	बेर होइतहिं
(iv)	कतेक चलऽ पड़ैत छै	(घ)	पति सूतल छै भीतर
(v)	क्षयग्रस्त पतिक	(ङ)	बहारि कऽ राखऽ पड़ैछ

5. दीर्घोत्तरीय प्रश्न

(i) महिला सभ कतोक कोस दूर पानि भरऽ किएक जाइछ?

(ii) महिलासभकेँ आँगन किएक बहारि कऽ राखऽ पड़ैछ?

(iii) किएक फट्टक भिड़ा कऽ राखऽ पड़ैत?

(iv) पनिभरनी सभक जमातकेँ कोना चल ऽ पड़ैत छै?

(v) नीमक गाछ केहन भऽ गेल अछि?

(vi) आँगनकेँ कोना उदास बना देलकै अछि?

(vii) केहन अकाल छै?

(viii) पानिक प्रतीक्षामे के सभ अछि?

(ix) कवयित्री कथीकेँ झाँपि कऽ राखबाक आग्रह कयलनि अछि आ किएक?

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

x) अपने आँखिक नोनगर दहसँ

भरि आनी एक चैल पानि।

उक्त पाँतिक भावार्थ लिखू।

xi) अकाल कविताक भावार्थ लिखू।

xii) अकाल कविताक प्रासंगिकता की अछि?

□□□

Abdiel Solutions
Empowering Technologies